



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रतिधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 570] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 2, 1985/अग्रहायण 11, 1907
No. 570] NEW DELHI, MONDAY, DEC. 2, 1985/AGRAHAYANA 11, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1985

का.आ. 872 (अ).—राष्ट्रपति, आंध्र प्रदेश प्रशासकीय ट्रिब्यूनल [आदेश, 1975 [मा.का.नि. 285(अ), दिनांक 19-5-1975] के पैराग्राफ 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री आर. के. ए. मुन्नामण्णा, आई. ए. एंड ए. एस. (मेवा निवृत्त) को, श्री एस पी कार्मिक के कार्यकाल की

समाप्ति से हुए रिक्त स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से आंध्र प्रदेश प्रशासकीय ट्रिब्यूनल के सदस्य के रूप में नियुक्त करते हैं।

[सं. एस-21013/4/85-एस. आर.]

एस. आर. आर्य, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd December, 1985

S.O. 872(E).—In exercise of the powers conferred by paragraph 3 of the Andhra Pradesh Administrative Tribunal Order, 175 [G.S.R. 285(E) dated 19th May, 1975], the President is pleased to appoint Shri R.K.A. Subrahmanya, IA&AS (Retd.) as Member of the Andhra Pradesh Administrative Tribunal with effect from the date he takes over charge of office, in the vacancy caused by the expiration of the term of Shri S. P. Karnik.

[S-21013/4/85-SR]

S. R. ARYA, Jt. Secy.